RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 10th | GEOGRAPHY

संसाधन एवं विकास

Resources and Development

अध्याय-1 | भाग-6

एकदम BASIC से!



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

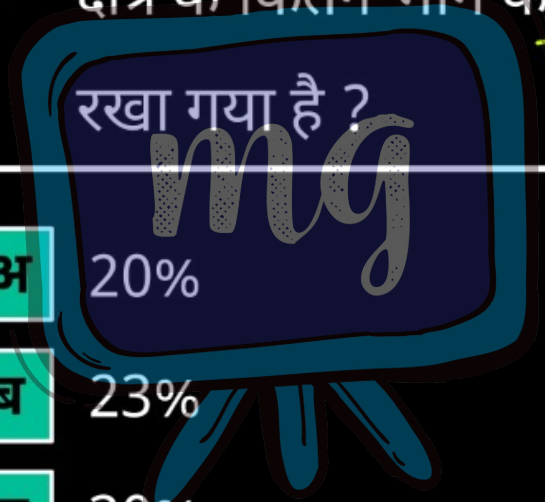
1. मृदा संसाधन
2. मृदाओं का वर्गीकरण
3. भारत - मानचित्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



राष्ट्रीय वन नीति (1952) के अंतर्गत भारत के भगौलिक क्षेत्र के कितने भाग को वनाच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है ?

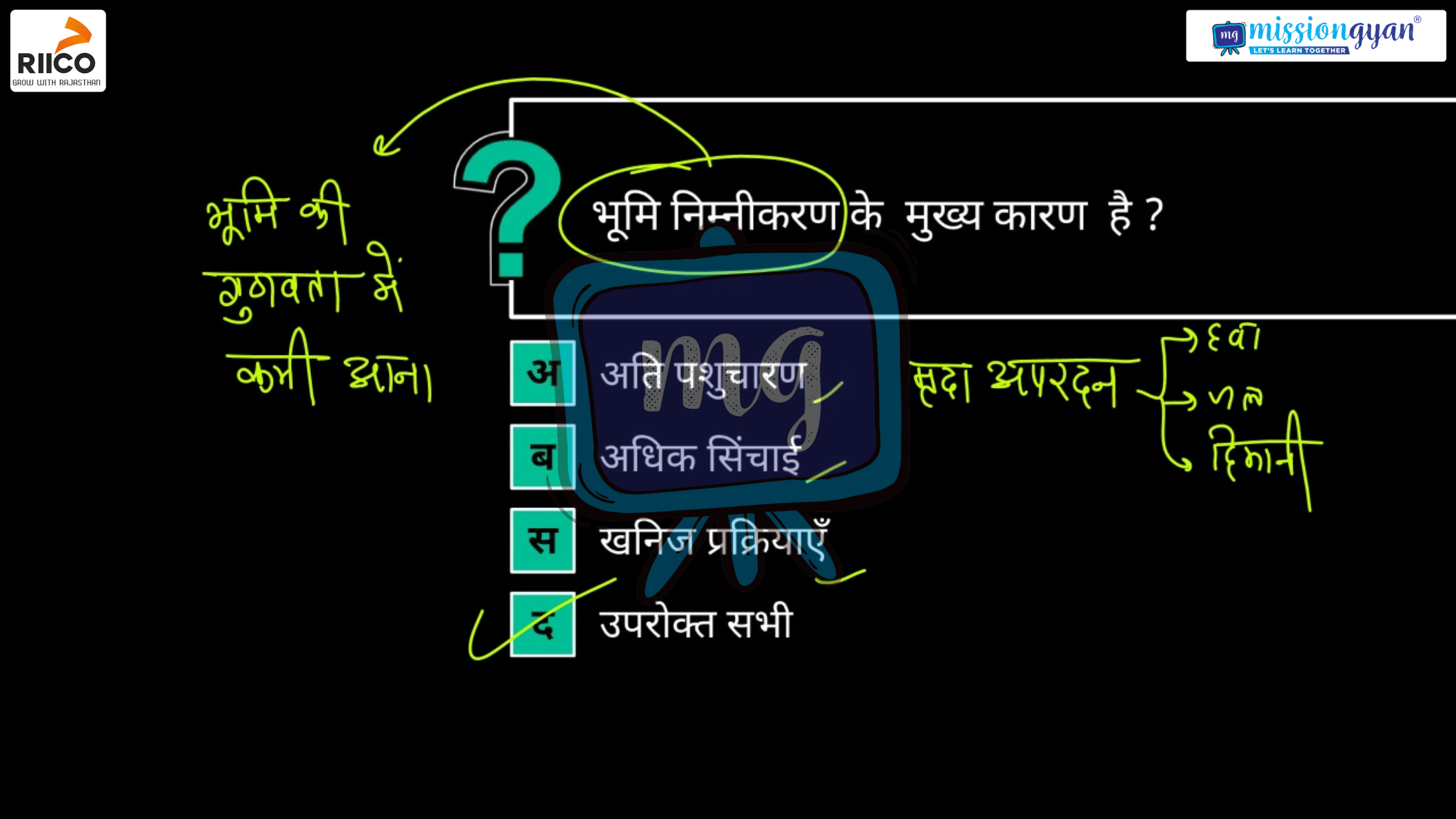


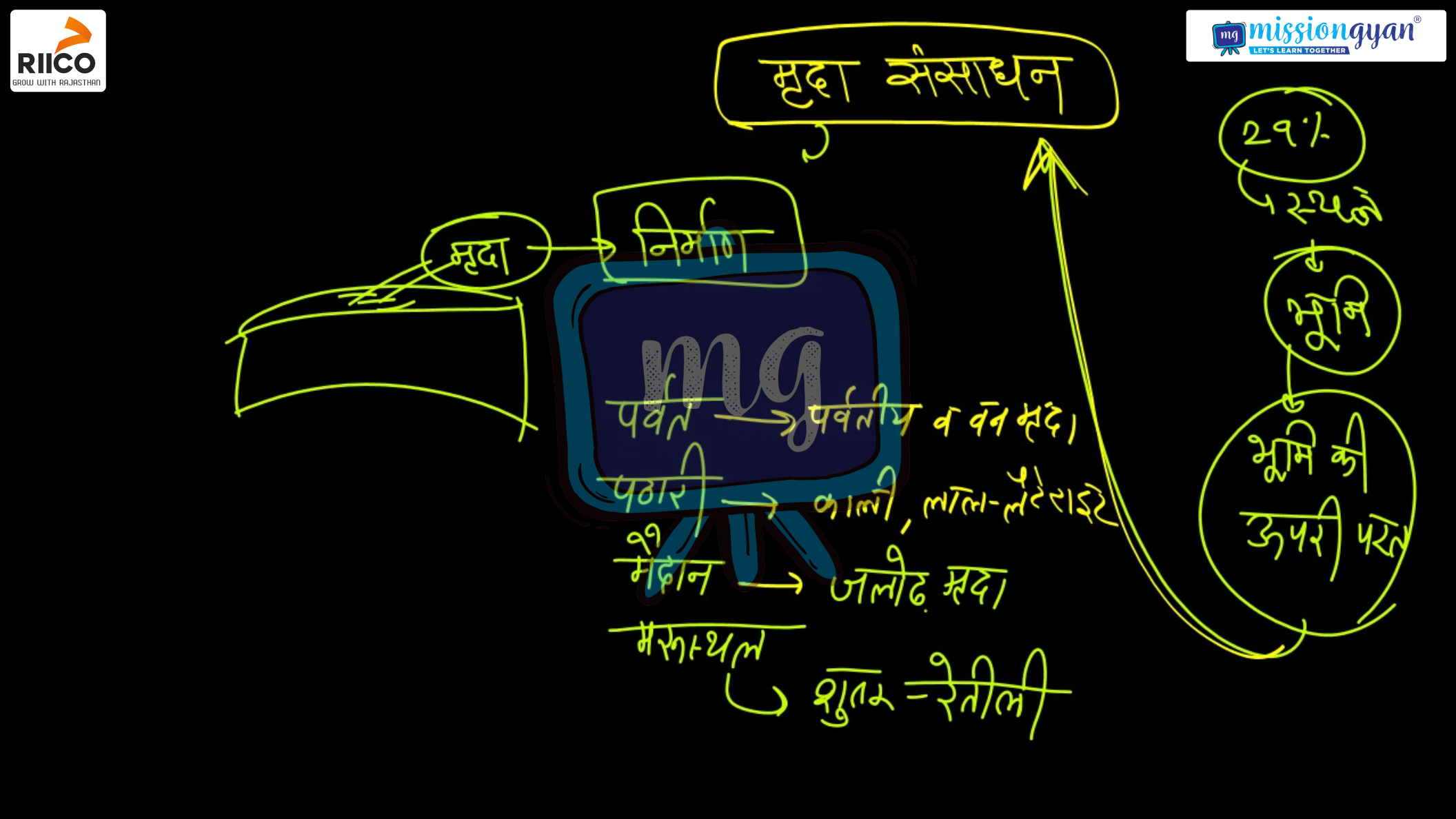
अ 20%

ब 23%

स 30%

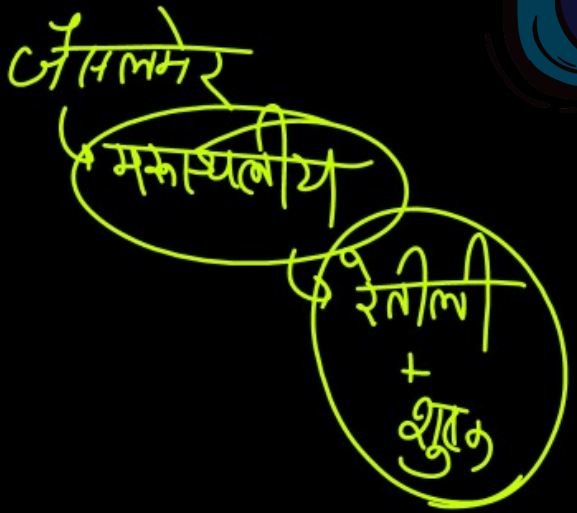
द 33%


भूमि निम्नीकरण के मुख्य कारण है ?
अ अति पशुचारण
ब अधिक सिंचाई
स खनिज प्रक्रियाएँ
द उपरोक्त सभी
भूमि की गुणवत्ता में कमी आना।
सदा अपरदन
हवा
जल
हिमानी


मृदा संसाधन
29%
वनों
भूमि
भूमि की ऊपरी परत
मृदा
निर्माण
पर्वत → पर्वतीय व वन मृदा
पठारी → काली, लाल-लैटेराइट
मैदान → जलोढ़ मृदा
मरुस्थल
शुतुर = रेतीली

मृदा संसाधन



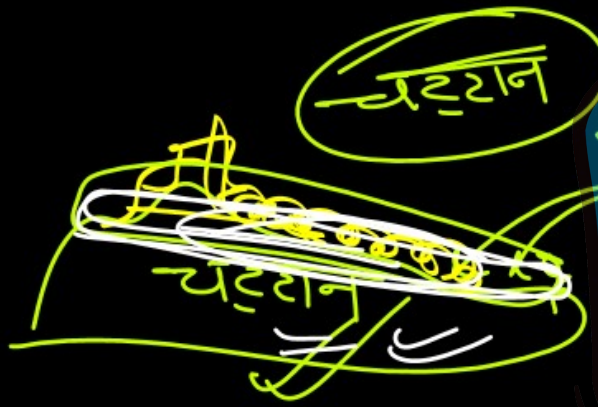


- मृदा (मिट्टी) सबसे महत्त्वपूर्ण नवीकरण-योग्य प्राकृतिक संसाधन है।
- मृदा एक जीवंत तंत्र है।
- यह पौधों के विकास का माध्यम है जो पृथ्वी पर विभिन्न प्रकार के जीवों का पोषण करती है।
- कुछ सेंटीमीटर गहरी मृदा बनने में लाखों वर्ष लग जाते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मृदा बनने की प्रक्रिया में मुख्य कारक—



- उच्चावच → पर्वत, पठार, मैदान ---
- जनक शैल (संस्तर शैल)
- जलवायु → ताप, घनत्व, वायुदाब, आर्द्रता
- वनस्पति और अन्य जैव पदार्थ
- समय

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

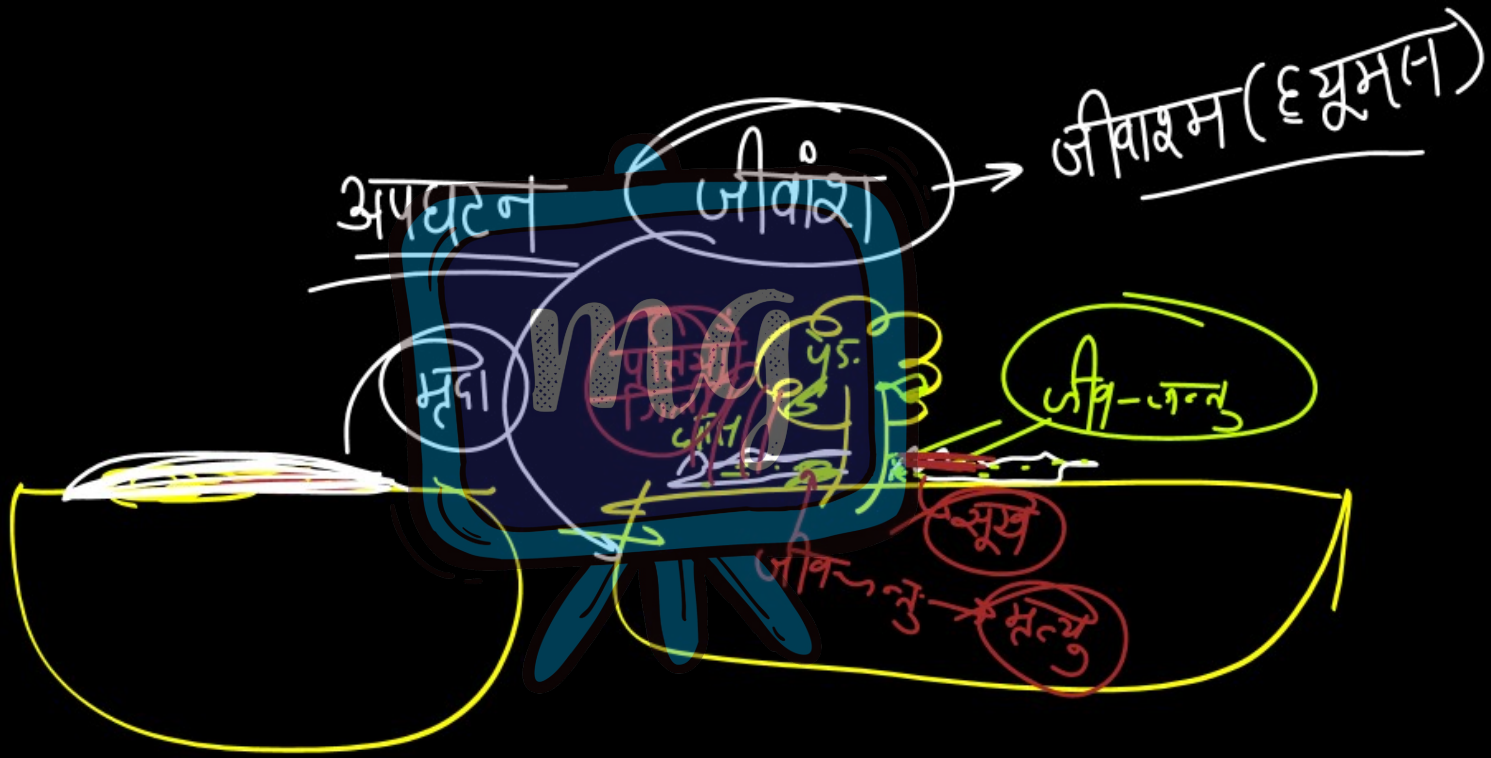
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मृदा निर्माण को प्रभावित करने वाले कारक



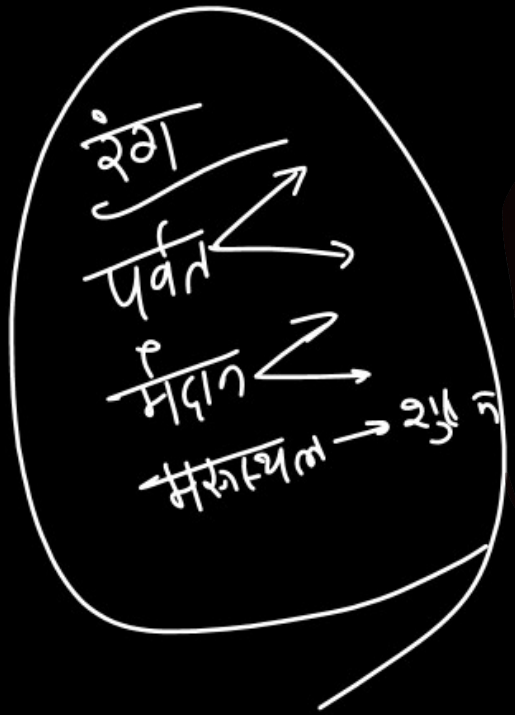
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मृदाओं का वर्गीकरण

- भारत में अनेक प्रकार के उच्चावच, जलवायु और वनस्पतियाँ पाई जाती हैं। इस कारण (रंग, गहराई, गठन, आयु व रासायनिक-भौतिक गुणों के आधार पर) कई प्रकार की मृदाएँ विकसित हुई हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

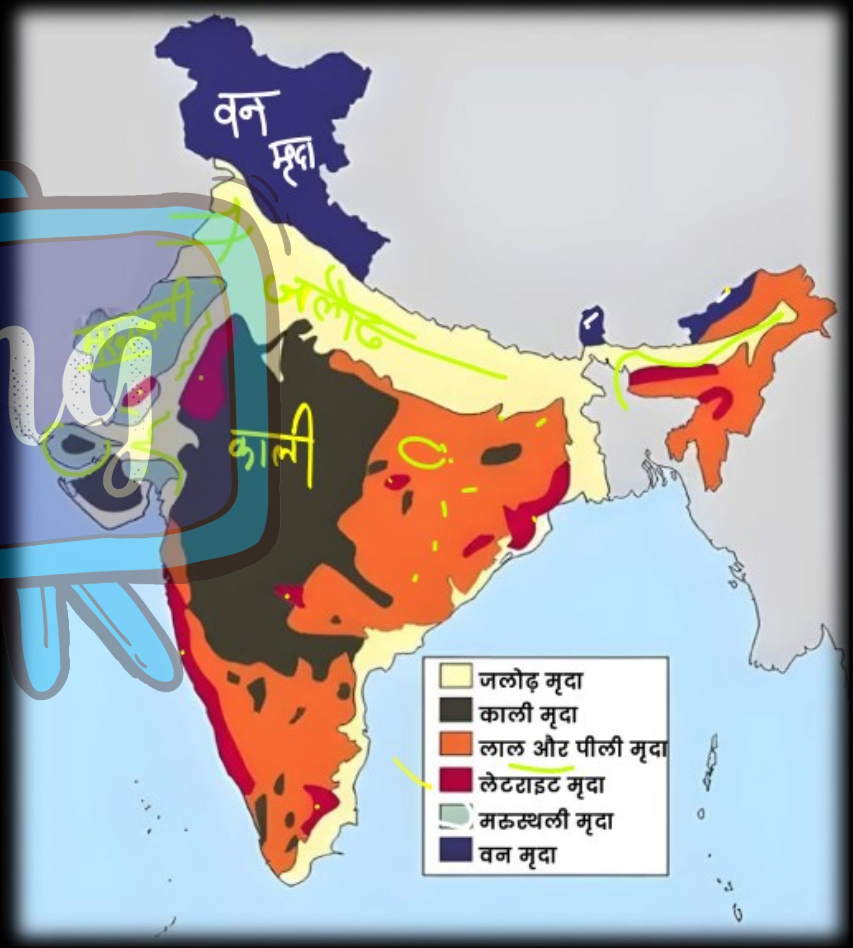
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत की मृदाओं के निम्नलिखित प्रकार हैं—

- जलोढ़ मृदा
- काली मृदा
- लाल और पीली मृदा
- लेटराइट मृदा
- मरुस्थली मृदा
- वन मृदा

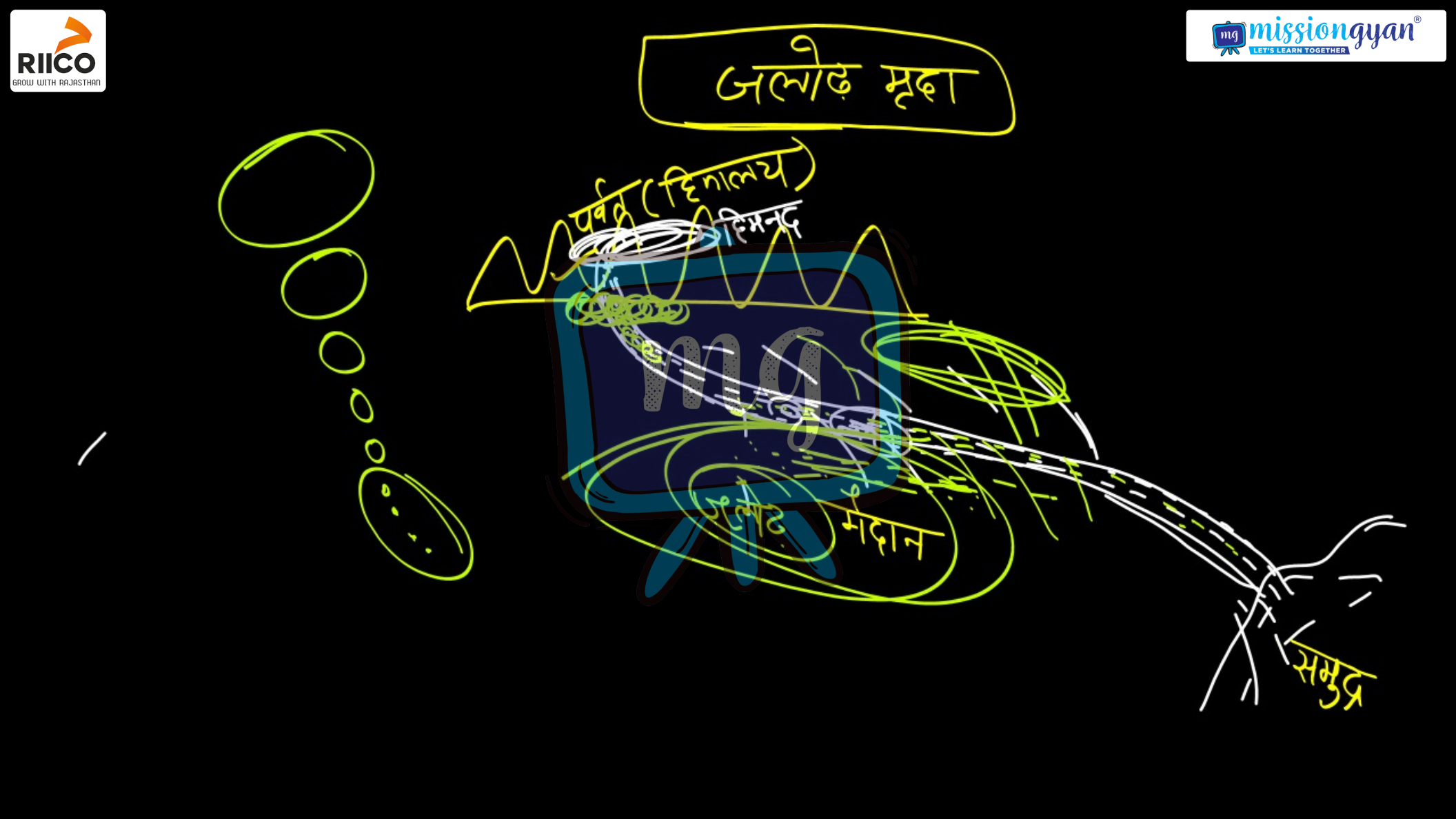
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

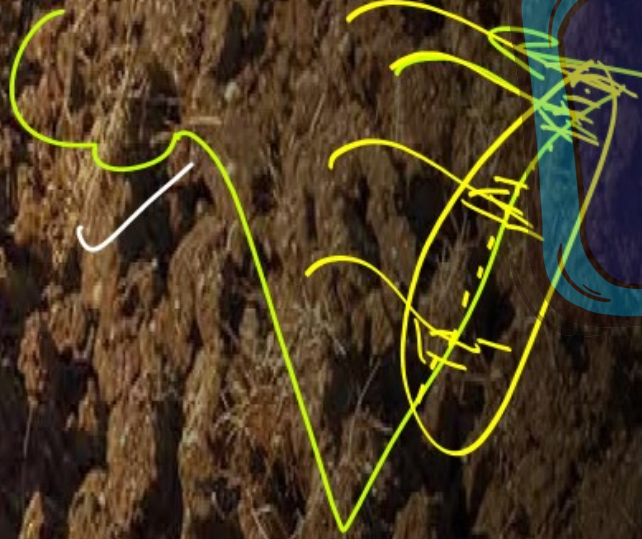
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1 जलोढ़ मृदा



- यह मृदा विस्तृत रूप से फैली हुई है
- संपूर्ण उत्तरी-मैदान जलोढ़ मृदा से बना है
- यह मृदा हिमालय की 3 महत्त्वपूर्ण नदी-तंत्रों (सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र) द्वारा लाए गए निक्षेपों से बनी हैं।
- पूर्वी तटीय मैदान (विशेषकर महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी नदियों के डेल्टा) जलोढ़ मृदा से बने हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

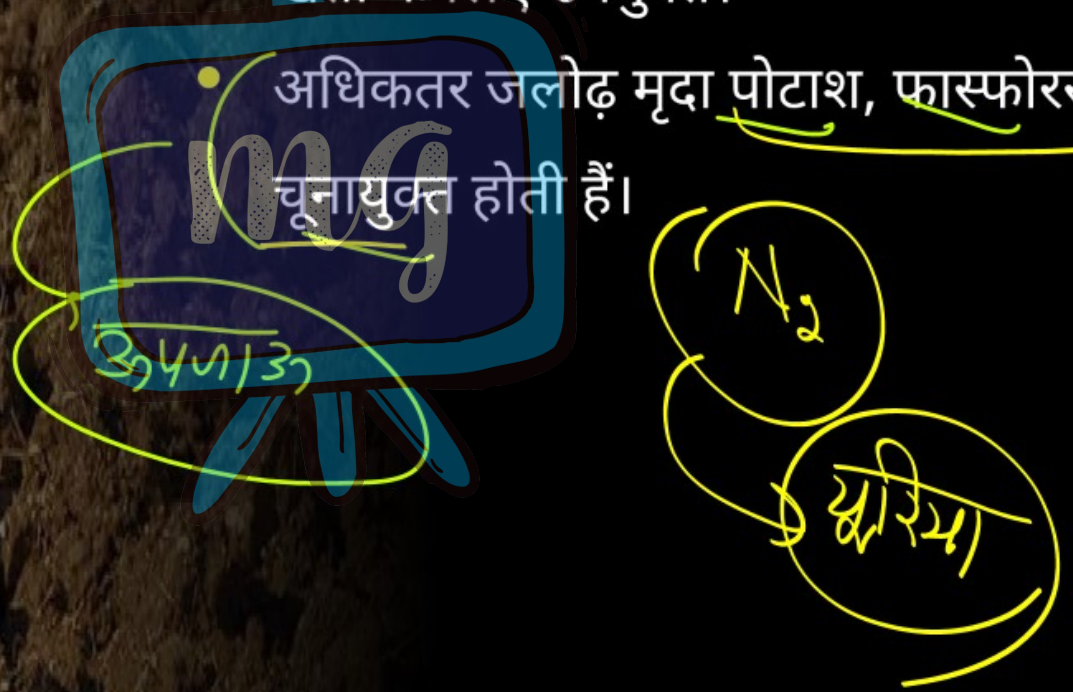
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- एक सँकरे गलियारे के द्वारा ये मृदा राजस्थान और गुजरात तक फैली हैं।
- आयु के आधार पर जलोढ़ मृदा दो प्रकार की हैं —
  - बांगर : पुराना जलोढ़, कंकर की मात्रा ज्यादा
  - खादर : नया जलोढ़, महीन कण ज़्यादा
- बहुत उपजाऊ मृदा
- (गहन कृषि → जनसंख्या घनत्व भी अधिक)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- गन्ने, चावल, गेहूँ व अन्य अनाज, दलहन फसलों की खेती के लिए उपयुक्त।
- अधिकतर जलोढ़ मृदा पोटाश, फास्फोरस और चूनायुक्त होती हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 काली मृदा ('रेगुर' मृदा)

- रंग - काला
- कपास की खेती के लिए उचित → "काली कपास मृदा"
- दक्कन का पठार (बेसाल्ट क्षेत्र) के उत्तर-पश्चिमी भागों में पाई जाती हैं।
- (लावा-जनक शैलों से बनी है)

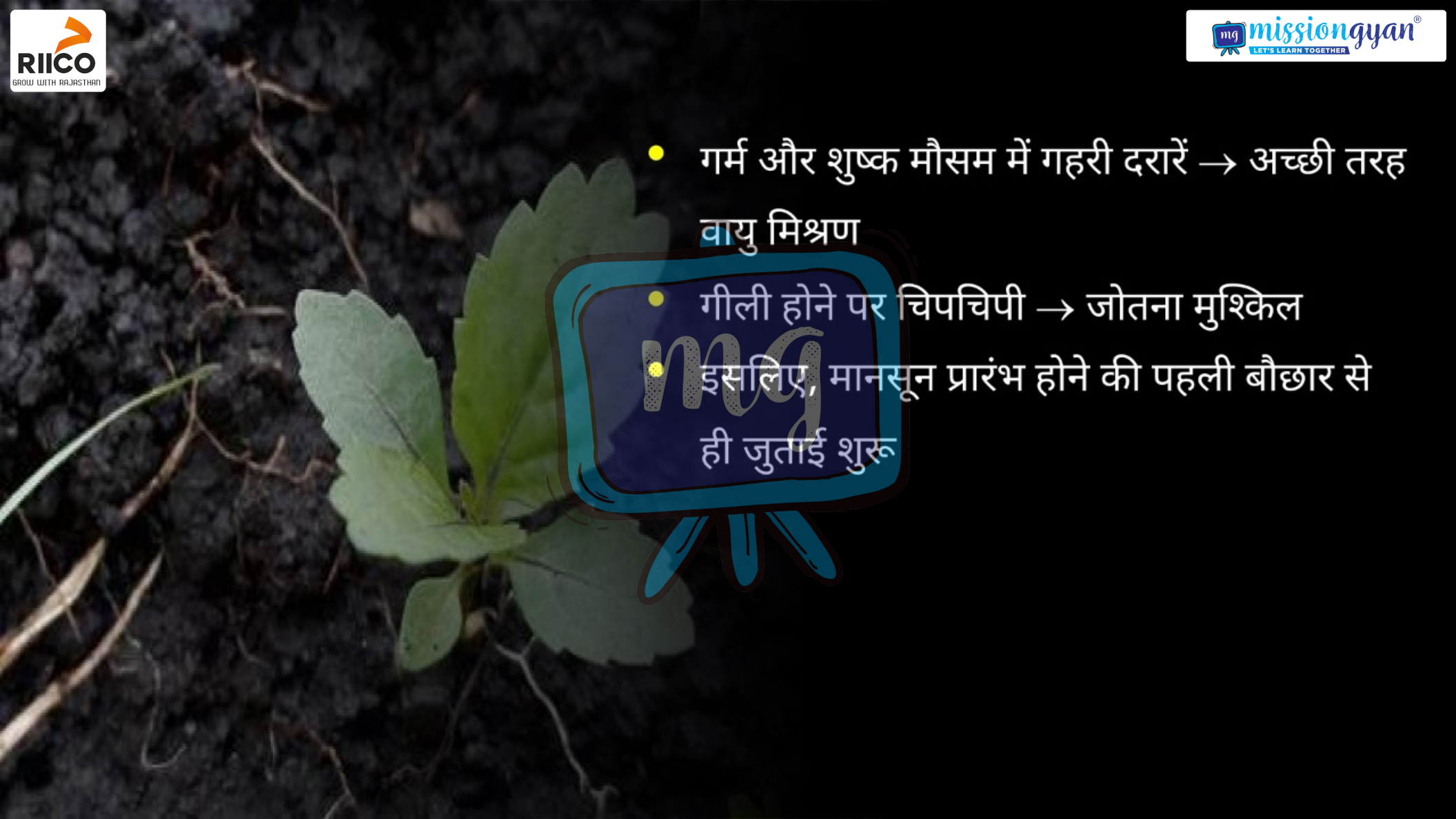
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, मालवा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ का पठार।
- दक्षिण-पूर्वी दिशा में गोदावरी और कृष्णा नदियों की घाटियों तक फैली।
- नमी धारण करने की क्षमता अधिक होती है।
- कैल्शियम कार्बोनेट, मैगनीशियम, पोटाश और चूने जैसे पौष्टिक तत्त्वों से परिपूर्ण (फास्फोरस की मात्रा कम)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- गर्म और शुष्क मौसम में गहरी दरारें → अच्छी तरह वायु मिश्रण
- गीली होने पर चिपचिपी → जोतना मुश्किल
- इसलिए, मानसून प्रारंभ होने की पहली बौछार से ही जुताई शुरू

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3 लाल और पीली मृदा

- लाल रंग का कारण : रवेदार आग्नेय और रूपांतरित चट्टानों में लौह धातु के प्रसार
- पीला रंग का कारण : जलयोजन
- लाल मृदा, दक्कन पठार के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों के कम वर्षा वाले भाग में रवेदार आग्नेय चट्टानों पर विकसित हुई है।
- ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य गंगा मैदान के दक्षिणी छोर पर, पश्चिमी घाट में पहाड़ी पर।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

